



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-22042020-219094  
CG-DL-E-22042020-219094

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 109]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 22, 2020/वैशाख 2, 1942

No. 109]

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 22, 2020/VAISHAKHA 2, 1942

**इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय**

**अधिसूचना**

नई दिल्ली 21 अप्रैल, 2020

**विषय:** भास्करचार्य इन्स्टिट्यूट फॉर स्पेस एप्लीकेशन और जियो- इन्फॉर्मेटिक्स (बीआईएसएजी), गुजरात का इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार के अधीन भास्करचार्य नेशनल इन्स्टिट्यूट फॉर स्पेस एप्लीकेशन और जियो-इन्फॉर्मेटिक्स {बीआईएसएजी (एन)} के रूप में उन्नयन।

## 1. पृष्ठभूमि और उद्देश्य:

**फा.नं.3(10)/2020-ईजी-II.**—भास्करचार्य इन्स्टिट्यूट फॉर स्पेस एप्लीकेशन और जियो-इन्फॉर्मेटिक्स (बीआईएसएजी), गुजरात को इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार के अधीन, सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत एक स्वायत्त वैज्ञानिक सोसायटी, भास्करचार्य नेशनल इन्स्टिट्यूट फॉर स्पेस एप्लीकेशन और जियो-इन्फॉर्मेटिक्स {बीआईएसएजी (एन)} के रूप में उन्नयन के प्रस्ताव को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 19 फरवरी 2020 को हुए बैठक में मंजूरी दे दी है।

- बीआईएसएजी वर्तमान में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, गुजरात सरकार के अधीन एक पंजीकृत सोसायटी के रूप में गांधीनगर, गुजरात में स्थित है। इसके शासी निकाय अध्यक्षता मुख्य सचिव, गुजरात सरकार द्वारा की जाती है। पिछले दस साल से अधिक समय में बीआईएसएजी एक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उभरकर सामने आया है, जहां अनुसंधान और नवाचारों को उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं के साथ संयुक्त रूप से संचालित किया

जाता है। यह एक मूल्य वर्धित सेवा प्रदाता, एक प्रौद्योगिकी विकासकर्ता और जमीनी स्तर के कार्यकलापों/अधिकारियों को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों के प्रत्यक्ष लाभ प्रदान करने के लिए एक सुविधाप्रदाता के रूप में कार्य करता है।

- ii) एमईआईटीवाई ने जीआईएस डोमेन में पहले से ही किए जा चुके कार्य को समेकित करने के अवसर को स्वीकार किया और 31 दिसंबर, 2015 को बीआईएसएजी के साथ तकनीकी सहयोग में नेशनल सेंटर ऑफ़ जियो-इन्फोमेटिक्स (एनसीओजी) के तहत एक जीआईएस आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली (डीएसएस)/प्लेटफ़ॉर्म लॉन्च किया। जीआईएस और भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियां अब प्रमुख मंत्रालयों और लगभग सभी राज्यों के लिए लागू की जा रही हैं और इस प्रक्रिया के दौरान, भू-स्थानिक विज्ञान, सूचना विज्ञान प्रणाली और गणित विज्ञान प्रणाली को बीआईएसएजी द्वारा इन-हाउस स्तर पर समेकित किया गया है। ये प्रौद्योगिकी समाधान, लागत क्षमता में काफी कमी प्राप्त करने के लिए खुले स्रोत/ओपन सोर्स पर प्रदान किए जाते हैं।
  - iii) बीआईएसएजी (एन) भू-स्थानिक डेटा के आधार पर राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर इ-गवर्नेंस व्यवस्था में भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों और आधारित जमीनी स्तर के अनुप्रयोगों को बढ़ाएगा। बीआईएसएजी (एन) के तीन मुख्य डोमेन क्षेत्र होंगे: उपग्रह संचार, भू-सूचना तकनीक और भू-स्थानिक तकनीकी।
  - iv) स्वायत्त वैज्ञानिक सोसायटी के दस्तावेज जैसे संस्था के बहिर्नियम (एमओए), नियम और विनियम तथा उपनियमों इत्यादि को उचित रूप से संशोधित किया जाएगा। परिवर्तन की तारीख के समय पूरी संपत्ति (चल और अचल) को देयताएं को मिलाकर जहां भी है, जिस तरह हैं के आधार पर नवगठित इकाई द्वारा अधिग्रहीत कर ली जाएगी।
2. यह कोई नया संस्थान नहीं है, बल्कि मौजूदा निकाय का उन्नयन है, जो एमईआईटीआई, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त वैज्ञानिक सोसायटी होगा जो इन गतिविधियों को राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाएगा।
  3. बीआईएसएजी (N) के क्रियाशीलता सोसायटी के शीर्ष निकाय, शाषी परिषद द्वारा शासित होंगी, जो सोसायटी की नीतियों को विनियमित करेगी और बीआईएसएजी (एन) की सोसायटी का प्रशासन करेगी।

संजय गोयल, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF ELECTRONICS AND INFORMATION TECHNOLOGY

### NOTIFICATION

New Delhi, the 21st April, 2020

**Subject :** Elevation of Bhaskaracharya Institute of Space Applications and Geo- informatics (BISAG), Gujarat as Bhaskaracharya National Institute for Space Applications and Geo-informatics {BISAG(N)} under Ministry of Electronics & Information Technology (MeitY), Government of India, Approved by Cabinet dated 19<sup>th</sup> February 2020.

#### 1. Background and Objectives:

**F. No.3(10)/2020-EG II.**—As per the approval of the Union Cabinet in the meeting held on 19<sup>th</sup> February 2020 Bhaskaracharya Institute of Space Applications and Geo- informatics (BISAG) is elevated as National Institute for Space Applications and Geo-informatics {BISAG(N)}, as Autonomous Scientific Society under the Societies Registration Act, 1860 under Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY), Government of India.

- i) BISAG at present is a registered Society under Department of Science and Technology, Government of Gujarat, located at Gandhinagar, Gujarat. Its Governing body is chaired by the Chief Secretary, Government of Gujarat. Over the past ten years, BISAG has evolved into a Centre of Excellence, where research and innovations are combined with the requirements of users. It acted as a value added service

provider, a technology developer and as a facilitator for providing direct benefits of space technologies to the grass root level functions/functionaries.

- ii) Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY) recognized the opportunity to consolidate work that had been done already in the GIS domain and 102078/2020/.. 72 launched a GIS based Decision Support System (DSS)/ platform under National Centre of Geo-informatics (NCoG) in technical collaboration with BISAG. GIS and geo-spatial technologies are now being implemented for major ministries and almost all States and during this process, geo-spatial science, Information Science System and Mathematics Science System have been integrated in-house by BISAG. These technology solutions are provided on open source, achieving very significant cost efficiencies.
  - iii) BISAG(N) will infuse geo-spatial technologies and the grass root level applications based on geo-spatial data into e-governance at the central and State level. BISAG(N) will have three main domain areas: satellite communication, geo- informatics and geospatial technology.
  - iv) The Autonomous Scientific Society documents such as Memorandum of Association (MOA), Rules & Regulations and By-laws etc., will be appropriately amended. The entire assets (movable & immovable) would be taken over by the newly formed entity including the liabilities on an as-is where-is basis on the date of such transition.
2. This is not a new organization but an elevation of existing body which will be an Autonomous Scientific Society under MeitY, Government of India, to carry forward these activities at the national level.
  3. The functioning of BISAG (N) will be governed through the Governing Council of the society, the apex body which will regulate the policies and administer the society of BISAG (N).

SANJAY GOEL, Jt. Secy.